Kirtu प्रस्तुति
INDIAN PORN TOONS
जब चाचा घर आए
आदर्श बहू कैसे बनूं?
कड़ी : 25
कथाकार : राहुल
कलाकार : क्लैंक
रंगकार : मैड ऑक्स
www.kirtu.com

.. और उसके बाद बॉस ने उसे कहा- चूंकि अशोक हर रोज देर तक काम करता है ! बॉस ने मुझे तरक्की दे दी !
पता नहीं मिश्रा जी मुझे मेरे फालतू काम के बदले तरक्की कब देंगे?
ट्रिंग.. ट्रिंग..
कौन बोल रहे हैं?
अरे हां ! कैसे हैं आप? हां..हां.. नहीं ठीक है ! आपके यहां आने से हमें खुशी होगी..
किसका फोन था अशोक?
मेरे चाचा कुणाल का.. वे यहां हमारे पास आ रहे हैं..
म..म..मैं तो दफतर में व्यस्त रहूंगा, तुम उन्हें हवाई अडडे से लिवा लाना..
पिछली बार वे शायद तीन साल पहले आए थे !
पता नहीं, उन्हें मैं याद भी हूंगी या नहीं?
kirtu.com

उम्मं.. कुणाल चाचा आ रहे हैं..
मेरे बदन को अब तक याद है कि पिछली बार उन्होंने क्या किया था !
अ..हं.न..चाचाजी..!!!
सविता और रोहित का चक्कर चले अभी एक सप्ताह ही हुआ था...... अशोक अपने दफ्तर के काम में व्यस्त था ... और सविता घर में अकेली थी .... तब चाचाजी एक महीने के लिए आए थे.
skreeecchh!
kirtu.com

हम यहां हैं चाचा जी !
नमस्ते चाचा जी ! बहुत दिन हो गए आपसे मिले ! आप हमेशा की तरह तंदरुस्त हैं !
तुम से मिल कर बहुत खुशी हुई बेटा ! तुम्हारी शादी में ना आ सकने का मुझे खेद है..
अरे, बहुत प्यारी बहू है .. !!
भगवान तुम्हें सुखी रखे !

kirtu.com

अगले दिन दोपहर को..
वाह बहू ! बहुत बढ़िया खाना था, मैंने ज्यादा खा लिया !
अब भोजन के बाद पूरी दोपहर आप क्या करने की सोच रहे हैं?
कल की उड़ान से मुझे अब भी थकावट है, मैं थोड़ा सो लूं..
ठीक है.. मैं आपके आराम का ख्याल रखूंगी..
यह कमरा काफी दिन से ढंग से साफ नहीं किया मैंने..
यह कैसी आवाज है? क्लीनर में कुछ फंस गया है शायद !
हे भगवान ! यह तो रोहित का है.. उस रात उसे यह मिला नहीं होगा..

kirtu.com

वो रात मुझे कभी नही भूलेगी...
उस रात अशोक से बेवफाई की मैंने ..
कितने दिनों के बाद मुझे पुरुष के लौड़े का असली मजा मिला था.. वो अदभुत था...!!!
ओ..ह.. मुझे उत्तेजना हो रही है !
मेरी चूत तो पानी छोड़ रही है !!
kirtu.com

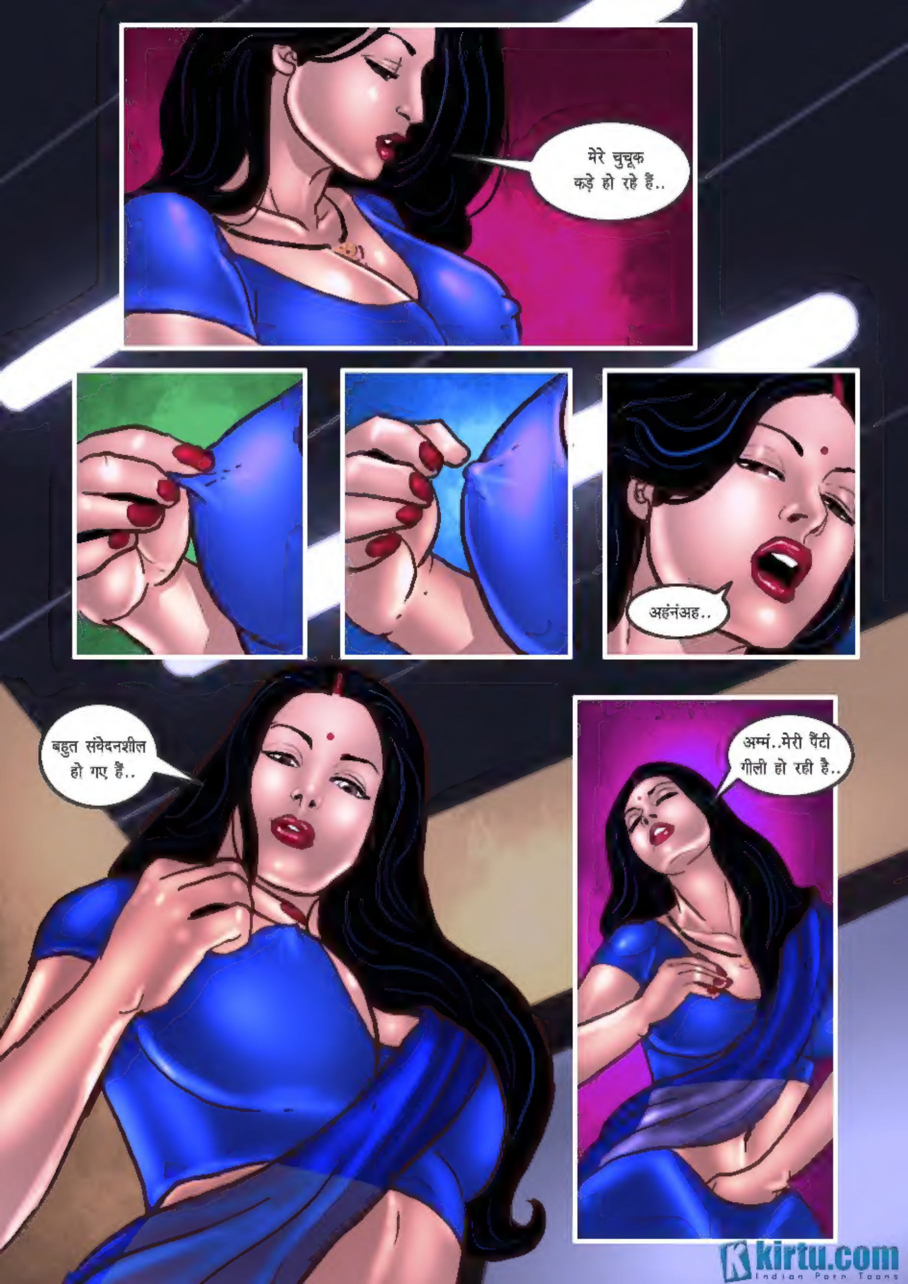

kirtu.com
Indian Porn Toons

इसी बीच..
पहले साड़ी उतारना अच्छा रहेगा..
YAWN
अमं.. मैं उम्मीद से पहले ही जाग गया..
पता नहीं बहू क्या कर रही है?
आ..ह..
उसके कमरे से आवाज आ रही है, वो वहीं होगी..
creak
हे भगवान ! सविता?
kirtu.com
Indian Porn Toons

Annhh
Mmmmm
हे भगवान ! मुझे विश्वास नहीं होता कि मैं दिन दहाड़े यह सब कर रही हूं..
नांहं..आह.. मुझे उसके लौड़े की बहुत याद आती है !
यह अशोक को याद करके अपनी चूत में उंगली कर रही है!
वह बढ़िया चुदाई करता होगा ! तभी तो सविता दिन में भी उसके लौड़े को याद कर रही है !
चोदो मुझे .. मेरी चूत मारो.. आह..
kirtu.com

kirtu.com Indian Porn Toons

बहू.. मैं भी...
spurt
spurt
मैं झड़ रही हूं.. अम्मं.. अ..ह..
अह.. मुझे वह सचमुच चाहिए..
मुझे भी..
इससे पहले बहू देखे, मैं इसे साफ कर दूं..
kirtu.com

रात के खाने पर..
तो चाचाजी, आपका दिन कैसा बीता?
सविता ने आपकी सेवा की होगी..
हां.. बिल्कुल.. सविता बहुत अच्छी बहू है..
अ.चाचाजी, इतनी तारीफ मत कीजिए
अरे बहू ! मैं सच कह रहा हूं..
बाद में..
जानू.. मैं कामुक हो रही हूं..
मुझे प्यार करो ना..!!
सविता ! घर में बुजुर्ग हैं..
तुम उनके जाने तक रुक नहीं सकती?
हम्फ.. किसी ना किसी बहाने तुम टाल देते हो
तुम अपनी पत्नी को खुश नहीं देखना चाहते
मैं आज रात यह सब नहीं कर सकता, मुझे नींद आ रही है..
लगता है कि इनके बीच सब ठीक-ठाक नहीं है !

kirtu.com

अगली सुबह का दृश्य
उठो सविता..
तुम्हें नाश्ता तैयार करना है .
मैं कल रात से तुम से नाराज़ हूं.
अपने लिए नाश्ता अपने आप बनाओ..
सविता थोड़ा.. मेरा मतलब उसकी तबीयत कुछ ठीक नहीं है.. इसलिए यह नाश्ता...मुझे अच्छे से बनाना नहीं आता .
हा..हा.. अरे चिन्ता मत करो..
अब तुम जल्दी से दफ्तर जाओ.. तुम्हें देर हो रही है..
शाम को मिलता हूं .
हां
मम्मं.. बहू के हाल-चाल तो पूछ लूं...
kirtu.com

kirtu.com

मम्मं.
सविता..SS..
बस.. जागना मत.. जब तक मैं झड़ ना जाऊ .

kirtu.com

उम्मं..
मम्मं..
आ..ह
उम्मं.. यह कैसा स्वाद है मेरे मुंह में?
YAWN!
गुड मॉरनिंग बहू..
सुबह का दूध पसंद आया?
चाचाजी ..!??
आप यहां क्या कर रहे हैं? और आप नंगे क्यों हैं?

kirtu.com

मैंने कल तुम्हें अपनी चूत में उंगली करते देखा बहू.. जब तुम रोहित का नाम लेकर चोदने के लिए कह रही थी !
पता नहीं अशोक को कैसा लगेगा जब मैं उसे बताउंगा कि उसकी बीवी पराए मर्द के बारे में सोचती है..
हे भगवान ! मैंने कैसी लापरवाही कर दी कल ?
अब क्या करूं?
मैं तुम्हारा विवाहित जीवन बर्बाद नहीं करना चाहता !
मैं यह समस्या घर में ही सुलझाना चाहता हूं .
घर में ही ..?
तुम्हें पराए मर्द की क्या जरूरत है जब एक सम्बंधी घर में ही है तुम्हारी सभी जरूरतें पूरी करने के लिए !
अम्हं..
kirtu.com

ये तो मेरी पत्नी के स्तनों से भी बड़े हैं..
चाचाजी, ऐसा ना करो !
मैं आपकी बहू हूं..
मैं क्या करूं सविता? कल जबसे मैंने तुम्हारे कामुक बदन को देखा है, मैं इसी के सपने देख रहा हूं..
लेकिन तुम्हें मजा आ रहा है..
आ रहा है.. ना बहू..?
न...नहीं..
मैं आपकी बहू हूं.. आपको ऐसा नहीं बोलना चाहिए
लेकिन देखो, तुम्हारी चूत तो कुछ और ही कह रही है.. तुम मर्द के साथ के लिए तरसती रही हो
आह.. मैं गलत क्यों सोच रही हूं..? मैं उत्तेजित हो रही हूं..क्या करूं?

kirtu.com

चाचाजी, मुझे इस तरह मत चाटिए ।
लेकिन बहू.. तुम्हारी चूत से पानी बह रहा है..
क्या तुम सचमुच मुझे रोकना चाहती हो?
मैं अशोक की पत्नी हू.. आपकी पुत्रवधू. अं.हं..नं..
शरमाओ मत सविता.
सच बताओ कि क्या तुम्हें चूत चटवाने में मजा आ रहा है?
हां.. हां.. बहुत मजा आ रहा है, मेरी चूत एक मर्द के लिए तड़फ रही है !
लेकिन अहं.. आप अशोक के चाचा हैं.. हम ऐसा नहीं कर सकते..
एक नज़र इस पर डालो और बताओ कि क्या तुम मुझे रोकना चाहती हो?
kirtu.com

यह..यह काफी बड़ा है.. लेकिन
यह काफी बड़ा है ! अशोक का तो इसके सामने कुछ भी नहीं..
मैंने देखा है अशोक का लण्ड ! जब वह छोटा था..
दुर्भाग्यवश उसका लण्ड उतना बड़ा नहीं है जितना हमारे परिवार में चला आ रहा है
लेकिन आप मेरे ससुर जैसे हैं..
इससे क्या फर्क पड़ता है?
साधारण सी बात है.. मेरी बहू को मर्द चाहिए
और मुझे बहू !!
अहह. आपका मेरे अंदर है.. अहंन

kirtu.com

धप्प..धप्प..
धप्प..धप्प..
अहहं.. नहीं ! रूको ! मम्मं
किसी को शक नहीं होगा कि तुम अपने पति के चाचा से चुद रही हो..
हम पूरा दिन चुदाई कर सकते हैं..
उंह.. आह.. पूरा दिन ..!!
लेकिन अशोक का क्या?
मेरे भतीजे को भूल जाओ.. इस मजे की सोचो जो मैं तुम्हें दे रहा हूं.. और देता रहूंगा
आनाकानी छोड़ो और चुदाई का पूरा मजा लो
यह गैरों से चुदने जैसा नहीं है ! मैं भी घर का ही सदस्य हूं..
और बहू का फर्ज है बड़ों का कहा मानना !
मुझे अब अशोक की परवाह नहीं..अहहं.. चोदो मुझे चाचाजी..
अपनी बहू को अपने बीज से भर दो..
kirtu.com

ये मेरे पति के चाचा हैं...
मेरे ससुर जैसे हैं.. लेकिन..
Mmmmm
Ahhh
यह बिल्कुल गलत है.. लेकिन बहुत अच्छा लग रहा है
उम्मं.. तुम्हारी चूत अद्भुत है बहू !

kirtu.com

आप मेरे अंदर छुट रहे हैं..
मैं इसे महसूस कर रही हूं.. मैं भी छुट रही हूं..
अहहं.. चाचा जी...!!
तो बहू.. दोपहर के खाने से पहले एक दौर और हो जाए?
ही..ही.. बिल्कुल चाचा जी..! और बहू का फर्ज है बड़ों का कहा मानना !

उस दिन के बाद तो चाचाजी सविता को छेड़ने का कोई मौका हाथ से नहीं जाने देते थे। वो उसे अकेली नहीं रहने देते थे.. यहां तक कि अशोक के घर में होते हुए भी..

kirtu.com

उफ..फ।
बहू ! तुम तो बहुत शरारती हो? तुम्हारा पति तुम्हारे साथ खड़ा था और तुम मेरा लण्ड चूसे जा रही थी?
बुरे बचे !!
मेरी एसी लण्ड चुसाई पूरी जिन्दगी में नहीं हुई.
बहुत बढ़िया तरीके से लण्ड चूसती है..
क्या आप जानते हैं कि मैं इस लौड़े से कितना प्यार करती हूं?
आपके वीर्य का स्वाद चखे बिना मैं इसे नहीं छोड़ सकती..
Spurt! Spurt!
अब इससे पहले कि अशोक फिर मुझे ढूंढते हुए यहां आ जाएं, मैं खाना बना लूं

kirtu.com

मैं आपको नहला देती हूं चाचाजी..
आपके शरीर को अपने स्तनों से रगड़ कर नहलाती हूं...
अब छुटाना मत ! आप मुझे फिर से गन्दी कर दोगे.
आहह.. अब हमें फिर से करना पड़ेगा..
kirtu.com

चाचाजी को अपना कामुक बहू को चोदना अच्छा लगता था और वो उसे चोदने का कोई मौका नही छोड़ते थे.. वे सविता को हर सम्भव स्थान पर चोद लेते थे....
अशोक के नज़रों से ओझल होते ही वे अपने काम में लग जाते थे......
बाय जानू.. शाम को मिलते हैं..
अहह.. ठीक है जानू..
दफ्तर में मेहनत से काम करना, मैं घर में चाचाजी का ख्याल रखूंगी
Ahhh... Mmmm
और मैं तेरी पत्नी की प्यारी फुद्दी का ख्याल रखूंगा जब तू अपने काम में व्यस्त होगा .

उसी दोपहर..
Ring Ring
Incoming call
Ashok's office
हाय जानू.. मैंने यह कहने के लिए फोन किया कि पिछले कुछ दिनों से मैं दफ्तर के काम में व्यस्त रहा.. इसके लिए माफी चाहता हूं.. मुझे पता है कि तुम अभी तक उस रात के लिए नाराज हो..
अहह.. ह..हां कोई बात नहीं अशोक ! म..मैं गुस्सा नहीं हूं...
नहीं नहीं सविता, तुम ठीक कहती थी.. मैं आज रात तुम्हें खुश कर दूंगा..
अहं..नहीं जानू.. तुम ठीक कह रहे थे..
जब तक चाचाजी घर में हैं, हमें चुदाई नहीं करनी चाहिए
सच ! मुझे खुशी है कि तुम मेरी बात समझ गई
वैसे चाचाजी क्या कर रहे हैं?
म..मैं खाना बना रही हू और चाचाजी एक खास व्यंजन चख कर देख रहे हैं जो मैंने खास उनके लिए ही बनाया है !
खास व्यंजन ? मेरे लिए भी थोड़ा बचा कर रखना..
kirtu.com

अहह.. माफ करना जानू.. लेकिन जब तक तुम घर आओगे, तुम्हारे लिए कुछ नहीं बचेगा..
चाचाजी को इसका स्वाद बहुत पसंद है..
लगता है चाचाजी घर पर खूब मजे कर रहे हैं..हा. हा.. मेरी पत्नी के बनाए खाने को कोई नहीं छोड़ सकता..
अहह.. चाचाजी.. इसे ऐसे मत चाटो !
ओह.. हां.. और लेते रहो..
सवि.. चाचाजी की अच्छी सेवा करना ! अच्छा शाम को मिलता हूं.. बाय !
CLICK
इस प्यारी फुद्दी को देखो..
मेरा भतीजा तो गाण्डू है जो इसे इस्तेमाल नहीं करता !
अंहंहन.. अब सताना छोड़ो चाचाजी..
मम्मं.. मेरे मन में एक ख्याल आया है..
क्या चाचाजी..?
अपने सारे कपड़े उतार दो सिवाए इस ऐप्रन के..

यह काफी अजीब लग रहा है चाचाजी..
मैं बहुत खुशनसीब हूं ऐसी सेक्सी बहू पाकर !
अपने चुचूक देखो.. कितने सख्त हो गए हैं..

HONEY
क..क्या कर रहे हैं आप?
अहह यह बहुत चिपचिपा है..
अब दूसरे पर डालता हूं..
सविता.ऽऽ.. बहुत स्वादिष्ट है.
Ahh Lick Ahhhh
अंहहन.. हां यहीं पर चाटो.. हां..बहुत मजा आ रहा है चाचाजी..

kirtu.com

कितना मजा आ रहा है... चाचाजी को काफी अनुभव है इसका..
चाचाजी.. मैं बहुत कामुक हो रही हूं..
मुझे अपना बड़ा, सख्त लौड़ा चूसने दो..
अगर अशोक को पता चल जाए कि उसकी पत्नी कितनी बड़ी चुदक्कड़ है तो?
तुम एक अच्छे सख्त लौड़े के लिए कुछ भी कर सकती हो ! है ना बहू?
मैं आपके लिए कुछ भी कर सकती हूं चाचाजी
मुझे आपका लण्ड बहुत अच्छा लगता है चाचाजी.. इसकी खुशबू और स्वाद मुझे उत्तेजित कर देता है..
kirtu.com

Indian Porn Toons

वाह.. इतना सारा वीर्य..?
मम्म... बहुत स्वादिष्ट वीर्य है !
अब आपके इस बड़े लण्ड से मेरे चुदने का वक्त आ गया है .
चिन्ता मत करो बहू
कुणाल चाचा तुम्हारी हर इच्छा पूरी करेंगे..
kirtu.com

अंहंहन..
अब और इन्तजार ना कराओ चाचाजी.
मुझे जोर से चोदो जैसे सुबह चोदा था..
कितनी सेक्सी गाण्ड है इसकी ! अभी अभी तो मैंने इसके मुंह में अपना वीर्य छोड़ा है.. लेकिन इसके गर्म बदन को देख कर मेरा लण्ड फिर खड़ा हो गया..
हां.. बहुत अंदर तक गया है..
मैं इसे अपनी चूत में फड़कता हुआ महसूस कर रही हू..

उहह.. इसे पूरा ले ले सविता.. तुझे मेरा लण्ड पसंद है ।
है ना?
आह.. भगवान . हां.. हां.. ओ.. चाचाजी..
मुझे आपका लौड़ा अच्छा लगता है
ओ..और चोदो मुझे.. अपनी चुदक्कड़ बहू को चोदो
इसकी चूत बहुत कसी है, बड़ा मजा आ रहा है..
हम्म.. यह क्या पड़ा है?

kirtu.com

आह.. मेरी चूत में ऐसे ही धक्के मारो..
मुझे चुदक्कड़ होने की सज़ा दो..
तुम चुदक्कड़ हो लेकिन एक आदर्श बहू हो..
और..मैं तुम्हें अच्छी बहू होने का ईनाम दूंगा.. सविता..
अंहंहन.. चाचाजी..
क्या तुमने अभी अभी परम आनन्द लिया?
ह.हां.. बहुत ही अच्छा लगा...

kirtu.com

अहह.. देखें कि क्या तुम दोबारा झड़ती हो अगर मैं ऐसे करूं...
नहीं... मेरी चूचियां बहुत.. अंहंहन..
या.. मैं ऐसे करूं तो...?
अह.. ऐसे .. ऐसे.. लग रहा है कि मुझे दो लौड़े चोद रहे हैं..
मैं फिर झड़ रही हूं...

kirtu.com

kirtu.com
Indian Porn Toons

अगले दिन..
चाचाजी.. मैं यहां हूं...!!!
आपसे दोबारा मिल कर बहुत खुशी हुई चाचाजी..
मुझे भी सविता..
अह.. शायद तुम्हें याद है कि मैंने तुम्हें सिखाया था कि जब भी मुझसे मिलो तो अधोवस्त्र नहीं पहनने हैं?
हा हा.. बहू का फर्ज है बड़ों का कहा मानना !
बहू, मेरा ख्याल है कि घर जाकर अशोक से मिलने से पहले किसी होटल में रुक लें !
चिन्ता ना करें चाचाजी.. मैंने पास के होटल में पहले ही एक कमरा बुक करवा दिया है.
मैं आपका गर्मागर्म स्वागत करूंगी.. ऐसा कि पहले कभी नहीं हुआ होगा !
समाप्त

kirtu.com